Title : Need to develop various historical sites as tourism spots in Madhya Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कुमार (सागर) : माननीय सभापति जी, हमारे देश के मध्य प्रदेश, महाराट्र और राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। मध्य प्रदेश में खजुराहो, पचमढ़ी, मांडू, भीमवेदका, भीमड़ी का भोजपुर का मंदिर दर्शनीय स्थल हैं। इसके साथ-साथ भेड़ाघाट का जलप्रपात, कान्हा किसली का अभयारण्य, चित्रकूट दर्शनीय स्थल हैं। सिंघौरगढ़ का किला गोंडवाना साम्राजय की रानी दुर्गावती के कारण जाना जाता है। रामगढ़ का किला रानी अवंतीबाई के कारण जाना जाता है। इन वीरांगनाओं ने अंग्रेज़ों के विरुद्ध अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए देश की आज़ादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त राहतगढ़, मदनमहल और रायसेन मध्य प्रदेश के ऐसे प्राचीन दुर्ग हैं जो ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृटि से जाने जाते हैं। महाराट्र में शिवनेरी का दुर्ग जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था, रायगढ़ का किला जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिोक हुआ था और सिंधुगढ़ दुर्ग जो समुद्र के किनारे बना हुआ था, विदेशी आक्रमणकारियों से देश की रक्षा करने के लिए उसका निर्माण किया गया था।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ये स्थान ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृटि से महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ साथ राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जैसलमेर का किला, उदयपुर, जयपुर और पुकर धार्मिक दृटि से बहुत महत्वपूर्ण स्थल हैं। हमारे देश के इन धार्मिक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृटि से महत्वपूर्ण स्थलों को विकसित करके पर्यटन के क्षेत्र में अंतर्राट्रीय पहचान बनाई जा सकती है, जैसे आस्ट्रेलिया और मलेशिया आज पर्यटन देशों के रूप में जाने जाते हैं।

हमारे देश के मध्य प्रदेश, महाराट्र और राजस्थान आदि राज्यों के इन स्थलों को विकसित करके और इन राज्यों की पर्यटन केन्द्र के रूप में पहचान बनाई जाए, जिससे सारी दुनिया हमारे देश के प्राचीन अध्यात्म, संस्कृति, इतिहास और पुरातत्व को जान सके।